

# B.A.Sociology Hons

## Part-2nd Paper - 3rd

### Characteristics of Rumour.

Q. Define the Characteristics of Rumour.

Answer :- Rumour एक कथन या झुठी रिपोर्ट है जो कभी कभी इतना आदक फैल जाती है कि एक कथानी का रूप धारण कर लेता है अधिकतर यह पाया गया है कि समाज में स्थिरता को बिगाड़ने के लिये लोग Rumour का प्रयोग करते और समाज में रहने वाले लोगों के बीच Rumour का प्रयोग करके आपसी भाई चार को बिगाड़ देते हैं इस पर समाजशास्त्री और मनोवैज्ञानिकों ने इस के Character की परिभाषा इस प्रकार से दी है।

① ~~Kimball~~ Kimball Young :- "Rumour is a special kind of suggestion, a story about some real or fictitious person or event which grows as it spread".

② James Drever :- "Rumour is universalized, story circulating in a community, alleging the occurrence of a certain event".

③ Worche and Cooper: - "Rumour" falls report that is passed from person to person by word of mouth.

Rumour बहुत तेज़ी से फैलती है यह जैसे जैसे एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक सुर्खों द्वारा पहुँचती है इसमें कोई न कोई बात जुड़ती जाती है और इस प्रकार मुलक के या रिपोर्ट में परिवर्तन हो जाता है

जनप्रवाह किसी महत्वपूर्ण समस्या, विचार कथन, व्यक्ति या घटना के सम्बंध में होती है यह वास्तविक भी हो सकती है कभी कल्पनिक भी हो सकती है अधिकतर यह देखा गया है कि महामारी, युद्ध, बाढ़, भूचाल आदि के समय में रि-मरुमर बहुत फैलता है क्योंकि यह सभी के लिये महत्वपूर्ण होता है

किसी भी रिमरुमर को सुनकर यह बताना कठिन है कि वास्तविक रिपोर्ट या कथन क्या है क्योंकि इसमें हर व्यक्ति यह कहते हुए सुना जाता



Date \_\_\_\_\_  
Page \_\_\_\_\_  
है कि "मैंने ऐसा ही सुना है" और प्रत्येक  
व्यक्ति का कथन दूसरे से कुछ न कुछ  
भिन्न होता है।

रिपम्योर भाति अस्थायी होती है  
रंग का फैलना। उस समय रूक जाता  
है जैसे ही लोगों की वास्तविकता का  
पता चल जाता है। रिपम्योर हमेशा  
Birmingham नक्शे के सम्बन्ध में होता  
है यह समाज में इतना तेजी से  
फैल जाता है कि लोग प्रभावित हुओं  
बगैर नहीं रहते हैं।

रिपम्योर में उत्तेजना और संवेगा-  
त्मकता का पुर जितना ही अधिक  
होता है लोग उतना ही खचीके  
साथ एक दूसरे को सुनाते हैं।

प्रारम्भ में रिपम्योर का कथन छोटा,  
सरल और संक्षिप्त होता है फैलने  
के साथ साथ उसका रूप विकसित  
होता चला जाता है। रिपम्योर में  
सामुहिक ~~प्रक्रिया~~ प्रक्रियाएँ जितनी  
ही अधिक होती हैं उसके फैलने  
की सम्भावना उतनी ही अधिक  
होती है। प्रत्येक रिपम्योर में  
कुछ न कुछ सुभाव की भाँती अवस्था

होती है। यह सुभाव प्रत्यक्ष भी हो सकते हैं और अप्रत्यक्ष भी हो सकते हैं।

रिपमपर। जितना ही आकर्षक, श्रेष्ठपूर्ण और महत्वपूर्ण होता है लोगो में वैसेही ज्ञान की उत्तम ही उत्पन्न होता है। कदम का अर्थ यह है कि अधिक से अधिक फैलता है।

— x —